https://www.vskub.com

13312

Third Semester B.Com./B.B.M. Degree Examination, Nov./Dec. 2015
HINDI (Basic)
Paper – III : Study of Indian Language

Time 3 Hours

Max. Marks : 80

सूचना : लिखावट शुद्ध और देवनागरी लिपि में हो।

1. किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(2×10 = 20)**

   a) "मामा, मालि के बच्चे को मेहतर से गरम पानी में डुबवा दो तो फिर नहीं रोएगा"।

   b) "इस जरासी उम्र में ही इसकी मौत से पहचान होगई ! - मुझे अचानक हुआ - सूखा - 'मर गया' ?"

   c) "मैं नहीं रे, बस, अव्वल तो अब भूख नहीं। फिर रोटियाँ तूने ऐसी बनाई हैं कि खाई नहीं जाती।"

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×10 = 20)**

   a) **अकेली, कहानी का उद्धेश्य स्पष्ट कीजिए।**

   b) **कफ़न, कहानी की आलोचना कीजिए।**

   c) **वापसी, कहानी का सार अपने वाक्य में लिखिए।**

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। **(2×10 = 20)**

   a) कार्यवृत्त के सिद्धांतो पर प्रकाश डालिए।

   b) प्रशंसापत्र और प्रमाण पत्र पर एक लेख लिखिए।

   c) प्रेस विज्ञप्ती नोट पर एक लेख लिखिए।

4. किन्हीं **दो** पत्रों का उत्तर लिखिए। **(2×6 = 12)**

   a) **आप एक कालेज के प्राचार्य समझकर अपने कर्मचारी को एक प्रशंसा पत्र लिखकर दीजिए।**

   b) **आप के कंप्यूटर में इंटरनेट की सुविधा पाने केलिए BSNL अधिकारी को एक पत्र लिखिए।**

   c) **आप एक मुन्सिपाल्टी अधिकारी के नाते आपके अधिनस्त सभी कर्मचारियों को स्वछ भारत आँदोलन में भाग लेने केलिए कहते हुए एक नोटीस निकालिये।**

P.T.O.

https://www.vskub.com

https://www.vskub.com

https://www.vskub.com

https://www.vskub.com

5. किन्हीं **एक** मुहावरे का भाव पल्लवन कीजिए। **(1×4 = 4)**

a) अँधी पीसे कुत्ता खाए।

b) एक हाथ से ताली नहीं बजती।

c) धोभी का कुत्ता न घर का न घाट का।

6. **नीचे दिए गए परिच्छेद** का संक्षेपण कीजिए। **(1×4 = 4)**

सूरदास के बाद हिन्दी के सर्वाधिक प्रिय भक्त कवि तुलसीदास ने भक्तिकाल की राम भक्ति शाखा का नेतृत्व किया। अपार प्रतिभा लेकर इनका जन्म हुआ था। तत्कालिन सभी साहित्यिक शैलियों का प्रयोग उन्होंने अपने काव्य में किया। पद, चौपाइ, दोह, बरवै, कवित्त, गीत, छंदे, आदि छंद उस समय कवियों को आकर्षित करते थे। तुलसी ने उन सब का भरपूर उपयोग अपने साहित्य में किया। तुलसीदास की महान रचना रामचरितमानस, सूरसागर से भी अधिक प्रसिद्ध रही है। यद्यपि रामचरितमानस, सूरसागर से आकार प्रकार में छोटा है पर जीवन की संपूर्णता उसमें दिखलाइ पडती है।

https://www.vskub.com

https://www.vskub.com

https://www.vskub.com